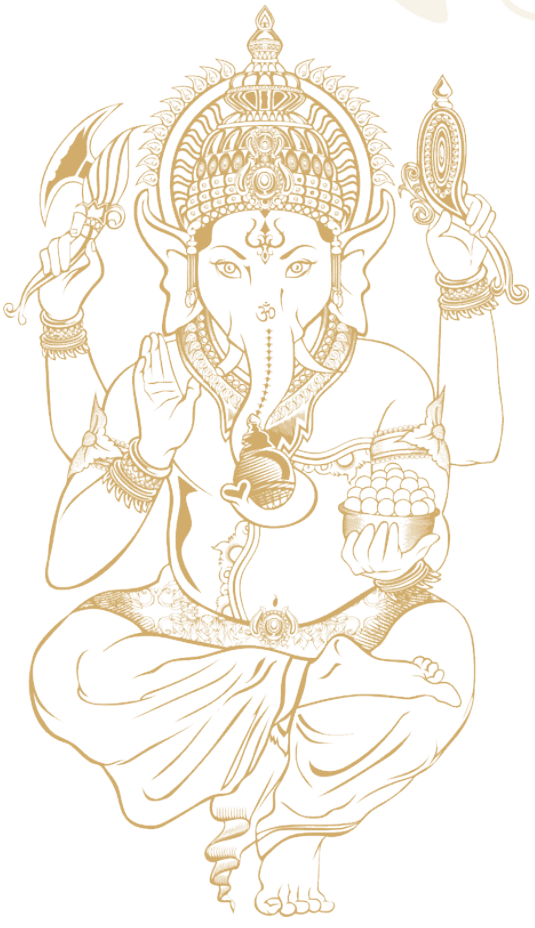

Apurv sharma

Pratiksha Rawat

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121488002

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
9-10/10/1994	जन्म तिथि	28-29/04/1997
रवि-सोमवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 02:46:00	जन्म समय	03:00:00 घंटे
घटी 51:22:52	जन्म समय(घटी)	53:18:22 घटी
India	देश	India
Firozabad	स्थान	Agra
27:09:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
78:24:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:24	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:51	सूर्योदय	05:42:15
17:54:22	सूर्यास्त	18:49:14
23:47:14	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 2वर्ष 11मा 24दि	05:48:45	सिंह	लग्न	कुंभ	18:39:11	सूर्य 4वर्ष 11मा 7दि
सूर्य	22:33:44	कन्या	सूर्य	मेष	14:48:01	राहु
03/10/2024	27:39:38	वृश्चि	चंद्र	धनु	29:01:41	06/04/2019
03/10/2030	09:08:02	कर्क	मंगल	सिंह	22:55:36	06/04/2037
सूर्य 20/01/2025	12:40:22	तुला व	बुध व	मेष	09:08:27	राहु 17/12/2021
चन्द्र 22/07/2025	23:03:29	तुला	गुरु	मक	25:25:53	गुरु 12/05/2024
मंगल 27/11/2025	24:00:23	तुला	शुक्र	मेष	21:36:39	शनि 19/03/2027
राहु 22/10/2026	12:40:07	कुंभ व	शनि	मीन	19:59:25	बुध 05/10/2029
गुरु 10/08/2027	21:17:39	तुला	राहु व	कन्या	04:07:08	केतु 24/10/2030
शनि 22/07/2028	21:17:39	मेष	केतु व	मीन	04:07:08	शुक्र 24/10/2033
बुध 28/05/2029	28:37:37	धनु	हर्ष	मक	14:46:11	सूर्य 17/09/2034
केतु 03/10/2029	26:48:03	धनु	नेप	मक	06:08:10	चन्द्र 18/03/2036
शुक्र 03/10/2030	02:37:31	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	11:06:24	मंगल 06/04/2037

लग्न-चलित

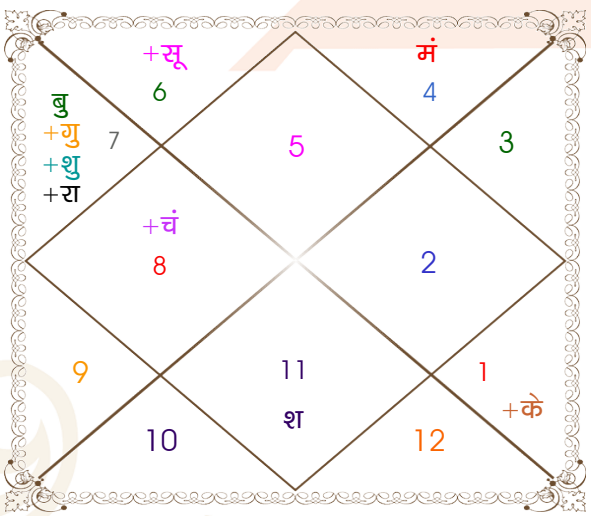

लग्न-चलित

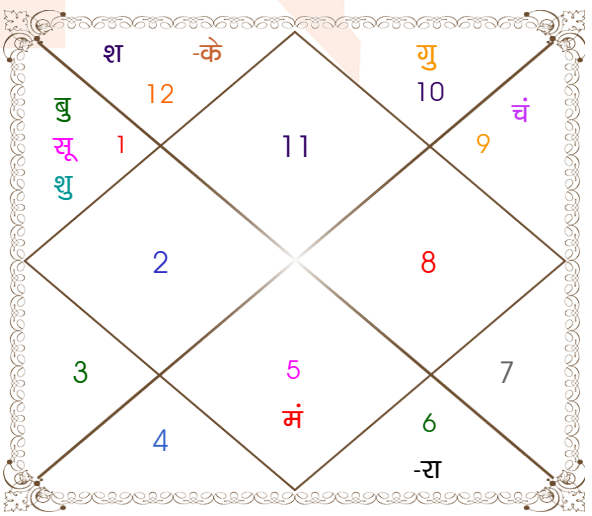

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Apurv sharma का वर्ग मृग है तथा Pratiksha Rawat का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Apurv sharma और Pratiksha Rawat का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Apurv sharma मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में द्वादश भाव में धनु, मेष तथा कर्क राशि का मंगल स्थित हो तब मंगली दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Apurv sharma कि कुण्डली में द्वादश भाव में कर्क राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Apurv sharma कि कुण्डली में नीच का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pratiksha Rawat मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।

अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Apurv sharma कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Apurv sharma कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Apurv sharma तथा Pratiksha Rawat में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।